



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

### असाधारण

### विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

प्रयागराज, सोमवार, 16 मई, 2025 ई०

(वैशाख 26, 1947 शक संवत्)

### कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या-393/दस-लाइसेंस-222/कम्पोजिट शॉप/2025-2026

प्रयागराज, दिनांक 16 मई, 2025 ई०

### अधिसूचना

सा०प०नि०-34

संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (यू. पी. अधिनियम संख्या-4, सन् 1910) की धारा 41 तथा 77 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके आबकारी आयुक्त, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृत से, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 24-क, 30 और 31 के अधीन नियत लाइसेंस फीस के आधार पर विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन, कम तीव्रता के मादक पेय की फुटकर बिक्री के संयुक्त एकान्तिक विशेषाधिकार के लिए लाइसेंस देने के संबंध में प्रतिफल और रीति अवधारित करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं-

### उत्तर प्रदेश आबकारी, कम्पोजिट दुकान (लाइसेंस व्यवस्थापन) नियमावली, 2025

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ	1. (1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश आबकारी, कम्पोजिट दुकान (लाइसेंस व्यवस्थापन) नियमावली, 2025 कही जायेगी। (2) यह दिनांक 1 अप्रैल, 2025 से प्रवृत्त होगी।
परिभाषा	2- जब तक विषय या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में,- (क) "अधिनियम" का तात्पर्य समय-समय पर यथासंशोधित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 से है;

- (ख) "अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क" का तात्पर्य अधिकतम फुटकर मूल्य को दस रुपये के अगले गुणक तक पूर्णकृत किये जाने के फलस्वरूप प्राप्त अन्तर की धनराशि से है, जो आसवनी स्तर पर संदेय होगी तथा आसवनी द्वारा थोक आपूर्तिकर्ता से "पूर्व-आसवनी मूल्य" के अतिरिक्त तथा थोक लाइसेंसधारी द्वारा फुटकर लाइसेंसधारी से अधिकतम थोक मूल्य के अतिरिक्त वसूली योग्य होगी;
- (ग) "बीयर" का तात्पर्य एल., स्टाउट, पोर्टर तथा माल्ट से बनी सभी अन्य किण्वित मदिरा से है जिसकी अल्कोहलिक तीव्रता 3 प्रतिशत वी/वी से 8 प्रतिशत वी/वी के मध्य हो;
- (घ) "कम्पोजिट दुकान" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश आबकारी कम्पोजिट दुकान (लाइसेंस व्यवस्थापन) नियमावली, 2025 के अधीन यथा परिभाषित एफ.एल.-5 घ ख में लाइसेंस प्राप्त दुकान से है;
- (ङ) "प्रतिफल शुल्क" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 30 के अधीन विदेशी मदिरा और वाइन पर राज्य सरकार द्वारा यथा विहित शुल्क से है, जो विदेशी मदिरा/बीयर/वाइन/एल.ए.बी. की आपूर्ति से पूर्व लाइसेंसधारी द्वारा सरकारी कोषागार में जमा की जाएगी;
- (च) "दैनिक लाइसेंस फीस" का तात्पर्य सम्पूर्ण आबकारी वर्ष के लिए निर्धारित लाइसेंस फीस के 1/365वें भाग से है;
- (छ) "आबकारी आयुक्त" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 10(2)(क) के अधीन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी से है;
- (ज) "आबकारी वर्ष" का तात्पर्य 1 अप्रैल से प्रारम्भ होकर आगामी कलेण्डर वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष से है;
- (झ) "परिवार" का तात्पर्य दम्पति (पति या पत्नी) आश्रित पुत्र/पुत्रों, अविवाहित-पुत्री/पुत्रियां और आश्रित माता-पिता से है और वे इसमें सम्मिलित हैं;
- (ञ) "विदेशी मदिरा" का तात्पर्य भारत में आयात की गई स्प्रिट या वाइन या भारत में बनाई गई इस प्रकार परिष्कृत या रंजित स्प्रिट या वाइन, जिसमें कि वह सुगन्ध और रंग में भारत में आयातित मदिरा के सदृश मालूम हो, से है और उसमें माल्ट स्प्रिट, व्हिस्की, रम, ब्राण्डी, जिन, वोदका, वाइन, लिक्युअर्स और कम तीव्रता के मादक पेय सम्मिलित हैं;
- (ट) प्रपत्र- का तात्पर्य इस नियमावली में संलग्न प्रपत्र से है;
- (ठ) 'सरकार' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार से है;
- (ड) "अधिक्रम" का तात्पर्य ई-लाटरी प्रक्रिया के माध्यम से लाइसेंसधारी के चयन के लिये कम्प्यूटर आधारित यादृच्छिकीकरण प्रक्रिया के माध्यम से दुकान आवंटन के आधार हेतु तात्पर्यित कुल लाइसेंस फीस के अवरोही क्रम से है;
- (ढ) "लाइसेंस प्राधिकारी" का तात्पर्य जिला के कलेक्टर से है;
- (ण) "लाइसेंस फीस" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 24-क के अधीन विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय की फुटकर बिक्री के संयुक्त एकान्तिक विशेषाधिकार के लिए लाइसेंस दिये जाने हेतु ऐसे प्रतिफल से है, जो लाइसेंसधारी द्वारा उसको लाइसेंस प्रदान किये जाने के पूर्व ऐसी दरों पर, जैसा कि समय-समय पर राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से आबकारी आयुक्त द्वारा नियत की जायें, भुगतान किया जाय और जिसमें विदेशी मदिरा हेतु लाइसेंस फीस तथा बीयर हेतु लाइसेंस फीस सम्मिलित हैं;

परन्तु यह कि यदि ऐसी दुकान का व्यवस्थापन/पुनर्व्यवस्थापन आबकारी वर्ष के मध्य सत्र में अवशेष अवधि के लिए किया जाता है, तो दुकान के लिए लाइसेंस फीस की देयताओं का निर्धारण, आबकारी वर्ष की शेष अवधि के समानुपातिक किया जायेगा;

	<p>(त) कम तीव्रता के मादक पेय- का तात्पर्य कारबोनेट युक्त मादक पेय से है, जिसमें अल्कोहल की तीव्रता 10 प्रतिशत वी/वी तक हो, एक्स्ट्रान्यूट्रल अल्कोहल (ई.एन.ए.) से निर्मित किया गया हो और जो वासक या रंजक द्रव्य या दोनो या अन्य द्रव को मिलाकर परिष्कृत किया गया हो जिससे कि वह विशिष्ट स्वाद वाला हो जाय;</p> <p>(थ) "न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व" का तात्पर्य आबकारी आयुक्त द्वारा जारी सामान्य या विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा आबकारी वर्ष हेतु यथा नियत न्यूनतम राजस्व से है जिसको लाइसेंसधारी द्वारा मासिक/त्रैमासिक आधार पर, जैसा कि विहित किया जाय, कोषागार में जमा करना अपेक्षित होगा और जिसका समायोजन लाइसेंसधारी द्वारा अपनी दुकान पर फुटकर बिक्री हेतु थोक लाइसेंस से की गयी उठान में सन्निहित राजस्व के सापेक्ष अनुमन्य होगा;</p> <p>(द) "न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व- बीयर" का तात्पर्य बीयर के संबंध में न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व से है; जिसका समायोजन विदेशी मदिरा-2 ख लाइसेंस से की गयी समस्त उठान में सन्निहित राजस्व के सापेक्ष अनुमन्य होगा;</p> <p>(ध) "न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व-विदेशी मदिरा" का तात्पर्य विदेशी मदिरा के संबंध में न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व से है; जिसका समायोजन विदेशी मदिरा-2 लाइसेंस से की गयी समस्त उठान में सन्निहित राजस्व के सापेक्ष अनुमन्य होगा;</p> <p>(न) "व्यक्ति" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है, जो आवेदन करने के समय इक्कीस वर्ष की आयु से अन्यून भारत का नागरिक हो;</p> <p>(प) "पोर्टल" का तात्पर्य विशेष रूप से निर्मित इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म जिस पर मदिरा निर्माण एवं इसके वितरण की समाप्य अवस्था तक की प्रक्रिया से सम्बन्धित सूचनाओं को विहित प्रारूप में अपलोड किया जायेगा, से है;</p> <p>(फ) "प्रतिभूति धनराशि" का तात्पर्य कुल लाइसेंस फीस के 10 प्रतिशत के बराबर धनराशि से है, जो जिला आबकारी अधिकारी के पक्ष में ई-बैंक गारन्टी के रूप में अथवा आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित रीति से जमा की जायेगी और जो राज्य सरकार के समस्त दावों और देयों के अन्तिम व्यवस्थापन के पश्चात वापस किये जाने योग्य होगी</p> <p>(ब) "व्यवस्थापन" का तात्पर्य नवीकरण, ई-लाटरी अथवा ई-टेण्डर अथवा ई-नवीकरण जैसा कि राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाय, के माध्यम से दुकानों के व्यवस्थापन अथवा पुनर्व्यवस्थापन से है, जो समाचार पत्र एवं आबकारी विभाग की वेबसाइट के माध्यम से पूर्व नोटिस एवं संसूचना देकर सप्ताह के किसी दिन में हो सकता है। आगामी वर्ष के लिये दुकानों का व्यवस्थापन विगत वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व किया जा सकता है;</p> <p>(भ) "ऋणशोधन क्षमता" का तात्पर्य लाइसेंस की स्वीकृति के लिये आवेदन करने हेतु आवेदक के लिये निर्धारित वित्तीय अर्हता के मानदण्ड से है;</p> <p>(म) "वाइन" का तात्पर्य फूलों, सब्जियों, गैर-स्वापक (गैर-मनः प्रभावी), जड़ी बूटियों के रस या गूदे, द्राक्षासव या किसी अन्य फल के रस या गूदे के अल्कोहलयुक्त किण्वन से प्राप्त उत्पाद से है जो प्राकृतिक हो अथवा दृढीकृत हो, जिसकी अल्कोहलयुक्त अन्तर्वस्तु 24 प्रतिशत (24% वी/वी) से अधिक न हो। वाइन में चीनी, मधु और या / पानी मिश्रित हो सकता है। वाइन का तात्पर्य साइडर, शेरी और पेरी से भी है, जो इसमें सम्मिलित है;</p> <p>(य) इस नियमावली में अपरिभाषित किन्तु अधिनियम में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके लिए समनुदेशित हों।</p>
--	--

फुटकर बिक्री के लिए लाइसेंसों का व्यवस्थापन	<p>3. (1) इस नियमावली के उपबन्धों और लाइसेंस फीस और प्रतिभूति धनराशि के भुगतान के अध्वधीन एक ही परिसर से विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं एल.ए.बी. की फुटकर बिक्री के लिए फुटकर दुकान का लाइसेंस नियम-10 के अनुसार चयनित आवेदक के पक्ष में स्वीकृत कर, दुकान व्यवस्थित की जायेगी।</p> <p>(2) इस नियमावली के अधीन स्वीकृत लाइसेंस, परिसर के बाहर उपभोग के लिए मुहरबन्द बोतलों में विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं एल.ए.बी. की फुटकर बिक्री के लिये प्रपत्र एफ.एल.-5घख में प्रदान किया जायेगा।</p> <p>(3) प्रपत्र एफ.एल.-5घख में लाइसेंस प्राप्त ऐसी कम्पोजिट दुकान जो माडल शाप की समस्त आर्हताएं रखती हो तथा लाइसेंस फीस नवसृजित माडल शाप की लाइसेंस फीस के बराबर अथवा उससे अधिक हो तो लाइसेंसधारी के अनुरोध पर कम्पोजिट दुकान के लाइसेंस को माडल शाप के लाइसेंस में, समय-समय पर परिभाषित निबंधन एवं शर्तों के अध्वधीन परिवर्तित किया जा सकता है। माडल शाप लाइसेंस हेतु परिवर्तन के लिये पात्र कम्पोजिट दुकान के लाइसेंस परिवर्तन की प्रक्रिया, आबकारी आयुक्त द्वारा अवधारित की जायेगी तथा ऐसी दुकानों की देयताओं का निर्धारण राज्य सरकार द्वारा विहित रीति से किया जायेगा।</p>
फुटकर बिक्री की दुकानों की संख्या और अवस्थिति के अवधारण की शक्ति	<p>4. राज्य सरकार या आबकारी आयुक्त द्वारा समय समय पर निर्गत सामान्य या विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अधीन लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा कम्पोजिट दुकानों की संख्या एवं अवस्थिति अवधारित की जायेगी। दुकानों की अवस्थिति सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से दुकान को जियो-टैग एवं जियो फेन्स किया जायेगा। दुकानों की स्थिति एवं अवस्थिति समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश आबकारी दुकानों की संख्या और स्थिति नियमावली, 1968 के उपबन्धों के अनुसार होगी।</p> <p>परन्तु यह कि राज्य सरकार या आबकारी आयुक्त द्वारा किसी आबकारी वर्ष के दौरान नयी दुकानों का सृजन, जिले के लाइसेंस प्राधिकारी की मांग पर किया जा सकता है।</p>
लाइसेंस की अवधि	<p>5. लाइसेंस की अवधि एक आबकारी वर्ष अथवा उसके आंशिक भाग, जिसके लिये लाइसेंस स्वीकृत किया गया है, होगी, किन्तु अगले आबकारी वर्ष हेतु लाइसेंसधारी का चयन नियम-10 के अनुसार किया जायेगा।</p>
लाइसेंस की स्वीकृति	<p>6. इस नियमावली के उपबन्धों के अनुसार लाइसेंस फीस को अधिमानतः ई-पेमेन्ट प्लेटफार्म के माध्यम में भुगतान करने एवं जिला आबकारी अधिकारी के पक्ष में गिरवीकृत ई-बैंक गारण्टी अथवा आबकारी आयुक्त द्वारा विहित माध्यम से प्रतिभूति धनराशि जमा करने पर लाइसेंस स्वीकृत किया जायेगा। लाइसेंसधारी से यह अपेक्षा की जायेगी कि वह प्राधिकृत आयकर मूल्यांकक द्वारा जारी ऋणशोधन क्षमता प्रमाण पत्र या आस्ति प्रमाण पत्र की मूल प्रति या उस जिले, जहाँ से उसे लाइसेंस स्वीकृत किया गया हो, के जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय में किसी अन्य जिला आबकारी अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करे।</p>
लाइसेंस स्वीकृति के लिए आवेदन	<p>7. (1) जब कभी किसी नवसृजित अथवा अव्यवस्थित कम्पोजिट दुकान/दुकानों का व्यवस्थापन आवश्यक हो, लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा, उस दुकान/दुकानों का दैनिक समाचार पत्रों, जिनका उस क्षेत्र में परिचालन हो, में व्यापक प्रचार कराया जायेगा और राज्य सरकार द्वारा अवधारित रीति से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे।</p> <p>(2) कम्पोजिट दुकानों, जिनके लाइसेंस की स्वीकृति कलेक्टर द्वारा की जायेगी, की सूची दुकानवार लाइसेंस फीस एवं प्रतिभूति धनराशि सहित कलेक्टर के कार्यालय, तहसील कार्यालय, जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय और उप आबकारी आयुक्त प्रभार के कार्यालय में प्रदर्शित की जायेगी। यह सूचना जिला की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की जायेगी।</p> <p>(3) लाइसेंस की स्वीकृति के लिए आवेदन समाचार पत्रों में दी गयी विज्ञप्ति में दी गई समय-सारिणी के अनुसार विनिर्दिष्ट रीति से जमा किये जायेंगे।</p> <p>प्रत्येक आवेदन पत्र के सापेक्ष आवेदक द्वारा अप्रतिदेय प्रसंस्करण फीस का भुगतान, राज्य सरकार द्वारा यथावधारित दर से ऑनलाइन किया जायेगा।</p>

आवेदकों के लिए पात्रता की शर्तें	<p>8. कम्पोजिट दुकानों के लाइसेंस के लिए आवेदकों को अपनी पात्रता सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी, अर्थात्-</p> <p>(क) आवेदक को एक व्यक्ति होना चाहिये जो भारत का नागरिक हो।</p> <p>भागीदार वाली फर्म अथवा कम्पनी, फुटकर लाइसेंस की स्वीकृति के लिये पात्र नहीं होगी। इसी प्रकार थोक विक्रेता अथवा आसवनी/ मदिरा निर्माता भी कम्पोजिट दुकान का लाइसेंस धारण करने के लिये पात्र नहीं होंगे।</p> <p>दुकान के आवंटन के पश्चात् आवेदक की स्थिति में कोई परिवर्तन अनुमन्य न होगा। लाइसेंसधारी की मृत्यु की दशा में लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये नामनिर्देशन शपथ पत्र (यदि कोई हो) के अनुसार विधिक वारिसों/परिवार के सदस्यों/ निकट सम्बन्धियों, के नाम यदि अन्यथा अपात्र न हों, लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बने रहने के लिये नामनिर्देशन शपथ पत्र में वर्णित वरीयता के अनुसार विचारित किये जायेंगे।</p> <p>परन्तु यह कि मृतक लाइसेंसधारी के नामनिर्देशन शपथ पत्र की अनुपलब्धता की स्थिति में उसका विधिक वारिस यदि अन्यथा पात्र है लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बना रह सकता है।</p> <p>(ख) आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने के लिये विहित अवधि के प्रथम दिवस पर आवेदक की आयु इक्कीस वर्ष अथवा उससे अधिक होना चाहिये;</p> <p>(ग) आवेदक व्यक्तिक्रमी न हो और उसका नाम काली सूची में न डाला गया हो, या अधिनियम या तहदीन बनाई गयी नियमावली/विनियमावली के उपबन्धों के अधीन आबकारी लाइसेंस धारण करने से विवर्जित न किया गया हो। कोई व्यक्ति, जो किसी आबकारी अपराध के लिए दोषसिद्ध पाया गया हो, लाइसेंस धारण करने से विवर्जित किया जायेगा/रहेगा जब तक कि उसे सक्षम न्यायालय द्वारा पूर्णतः और अन्तिम रूप से दोषमुक्त न कर दिया गया हो;</p> <p>(घ) आवेदक एक दुकान के लिए मात्र एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने के लिए पात्र होगा। एक दुकान हेतु एक से अधिक आवेदन पाये जाने पर अतिरिक्त आवेदन निरस्त कर दिये जायेंगे;</p> <p>(ङ) आवेदक निम्नलिखित के प्रमाण स्वरूप पब्लिक नोटरी द्वारा सम्यक् रूप से सत्यापित शपथ-पत्र प्रस्तुत करेगा:-</p> <p>(एक) यह कि उसके पास समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश आबकारी दुकानों की संख्या एवं स्थिति नियमावली, 1968 के उपबन्धों के अनुसार उस स्थान पर दुकान खोलने हेतु उपयुक्त परिसर है अथवा उसने किराए पर उस स्थान पर उपयुक्त परिसर का प्रबन्ध किया है;</p> <p>(दो) यह कि उसकी दुकान के प्रस्तावित परिसर के निर्माण में किसी विधि अथवा नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है;</p> <p>(तीन) यह कि उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का नैतिक चरित्र अच्छा है और उनकी कोई अपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है और संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 या स्वापक ओषधि एवं मनःप्रभावी अधिनियम 1985 के अधीन दण्डनीय किसी अपराध या किसी अन्य संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध के लिए दोषसिद्ध नहीं किया गया है;</p> <p>(चार) यह कि लाइसेंसधारी के रूप में उसके चयनित हो जाने की दशा में जिला, जहाँ का वह निवासी है, के जिला कलेक्टर या सम्बन्धित जिला के पुलिस अधीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिश्नर के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट, सहायक पुलिस आयुक्त की रैंक से अनिम्न अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र यह दर्शाते हुए प्रस्तुत करना होगा कि लाइसेंस जारी होने के पूर्व उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का नैतिक चरित्र अच्छा है एवं उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि या आपराधिक अभिलेख नहीं है;</p>
----------------------------------	---

	<p>(पाँच) यह कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को बिक्रीकर्ता या प्रतिनिधि के रूप में नियोजित नहीं करेगा/करेगी, जिसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि हो या जो किसी संक्रामक रोग से ग्रसित हो या 21 वर्ष से कम आयु का हो या महिला हो। लाइसेंसधारी, जिला आबकारी अधिकारी से राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथावधारित फीस के संदाय के उपरान्त प्राधिकृत बिक्रेता/ प्राधिकृत प्रतिनिधि का फोटोयुक्त नौकरनामा प्राप्त करेगा/करेगी;</p> <p>(छः) यह कि उस पर किसी सार्वजनिक देयों या सरकारी देयों का बकाया नहीं है;</p> <p>(सात) यह कि वह ऋणशोधक्षम है और आवश्यक निधि रखता है या उसने कारबार के संचालन के लिए आवश्यक निधि का प्रबन्ध कर लिया है, जिसका ब्योरा, यदि अपेक्षित होगा, लाइसेंस प्राधिकारी को उपलब्ध करा देगा;</p> <p>(आठ) यह कि आवेदक माफिया गतिविधियों, असामाजिक गतिविधियों एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त हो जाने के उपरान्त यह प्रमाणित हो जाता है कि वह माफिया गतिविधियों, असामाजिक गतिविधियों एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उसे आवंटित किया गया लाइसेंस निरस्त कर दिया जायेगा ;</p> <p>(नौ) यह कि आवेदक बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त कर लेने के पश्चात वह बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता पाया जाता है तो लाइसेंस निरस्त कर दिया जायेगा ;</p> <p>(दस) राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार का कर्मचारी भी लाइसेंस स्वीकृति हेतु आवेदन करने के लिये अपात्र होगा।</p> <p>(च) यह कि आवेदक ऋणशोधन क्षमता प्रमाण पत्र या प्राधिकृत आयकर मूल्यांकक द्वारा निर्गत सम्पत्ति स्वामित्व प्रमाण-पत्र का धारक हो तथा उसकी ऋणशोधन क्षमता/ प्राधिकृत आयकर मूल्यांकक द्वारा निर्गत सम्पत्ति स्वामित्व प्रमाण पत्र की मालियत जिला में आवेदित दुकान का लाइसेंस प्रदान करने के लिए अवधारित कुल लाइसेंस शुल्क की धनराशि से कम नहीं होगी;</p> <p>परन्तु यह कि नवीकरण की स्थिति में गत वर्ष के व्यवस्थापन के दौरान प्रस्तुत किये गये ऋणशोधन क्षमता प्रमाण पत्र अथवा किसी प्राधिकृत आयकर मूल्यांकक द्वारा जारी सम्पत्ति स्वामित्व प्रमाण पत्र, यदि वैध एवं अपेक्षित धनराशि के लिए है, प्रतिग्राह्य होंगे।</p>												
कम्पोजिट दुकानों के लाइसेंसधारी के चयन के लिये जिला स्तरीय समिति	<p>9. कम्पोजिट दुकानों के लाइसेंसधारी के चयन हेतु एक जिला स्तरीय समिति होगी। समिति के सदस्य निम्नलिखित होंगे, अर्थात्:-</p> <table><tr><td>एक</td><td>जिला का कलेक्टर</td><td>अध्यक्ष</td></tr><tr><td>दो</td><td>सम्बन्धित जिले का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, जो सहायक पुलिस आयुक्त के रैंक से अन्यून हो।</td><td>सदस्य</td></tr><tr><td>तीन</td><td>आबकारी आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट आबकारी विभाग का एक राजपत्रित अधिकारी</td><td>सदस्य</td></tr><tr><td>चार</td><td>जिले का जिला आबकारी अधिकारी</td><td>सदस्य/ सचिव</td></tr></table>	एक	जिला का कलेक्टर	अध्यक्ष	दो	सम्बन्धित जिले का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, जो सहायक पुलिस आयुक्त के रैंक से अन्यून हो।	सदस्य	तीन	आबकारी आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट आबकारी विभाग का एक राजपत्रित अधिकारी	सदस्य	चार	जिले का जिला आबकारी अधिकारी	सदस्य/ सचिव
एक	जिला का कलेक्टर	अध्यक्ष											
दो	सम्बन्धित जिले का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, जो सहायक पुलिस आयुक्त के रैंक से अन्यून हो।	सदस्य											
तीन	आबकारी आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट आबकारी विभाग का एक राजपत्रित अधिकारी	सदस्य											
चार	जिले का जिला आबकारी अधिकारी	सदस्य/ सचिव											

<p>लाइसेंसधारी का चयन-</p>	<p>10. (1) (क) किसी दुकान के लिये लाइसेंसधारी का चयन ई-लाटरी, ई-नवीकरण तथा ई-टेण्डर की तीन प्रक्रियाओं में से किया जायेगा जो उस विशिष्ट वर्ष हेतु राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट हो।</p> <p>(ख) राज्य सरकार द्वारा किसी विशिष्ट वर्ष हेतु ई-नवीकरण की प्रक्रिया विनिर्दिष्ट न होने की स्थिति में लाइसेंसधारियों का दुकानवार चयन, आनलाइन आवेदन आमंत्रित कर राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट ई-लाटरी अथवा/तथा ई-टेण्डर की प्रक्रिया के माध्यम से किया जायेगा। यदि राज्य सरकार द्वारा ई-नवीकरण विनिर्दिष्ट किया जाता है किन्तु लाइसेंसधारी द्वारा नवीकरण का अनुरोध नहीं किया जाता या लाइसेंसधारी नवीकरण हेतु पात्र नहीं पाया जाता है तो, ऐसी स्थिति में भी पूर्वोल्लिखित ई-लाटरी अथवा/तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया अपनायी जायेगी। जिला आबकारी अधिकारी, आनलाइन प्राप्त आवेदनों की संवीक्षा करेगा और ग्राह्य एवं अग्राह्य आवेदनों की सूची, ग्राह्यता एवं अग्राह्यता के कारणों को वर्णित करते हुए तैयार करेगा और इस सूची को ई-लाटरी एवं ई-टेण्डर हेतु नियम-9 में यथा वर्णित जिला स्तरीय लाइसेंस समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।</p> <p>(ग) यदि दुकान का नवीकरण कर दिया गया हो और नवीकरण शुल्क जमा करने के पश्चात् यदि किसी लाइसेंसधारी की मृत्यु हो जाती है और उसके किसी विधिक वारिस अथवा नामनिर्देशिती द्वारा उक्त लाइसेंस के संचालन हेतु आवेदन नहीं दिया जाता है अथवा किसी विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को इस हेतु पात्र नहीं पाया जाता है तो नवीकरण हेतु जमा धनराशि (प्रोसेसिंग फीस को छोड़कर) विधिक वारिस के पक्ष में प्रतिदाय कर दी जायेगी।</p> <p>(2) ई-लाटरी की स्थिति में पात्र आवेदकों में से दुकानवार लाइसेंसधारी का चयन, नियम 2(1)(ड) में यथा परिभाषित प्रत्येक श्रेणी में अधिक्रम के अनुसार देशी मदिरा, माडल शाप, कम्पोजिट दुकानों तथा भांग की दुकानों के क्रम में कम्प्यूटर आधारित यादृच्छिक विन्यास के माध्यम से किया जायेगा।</p> <p>(3) यदि लाइसेंसधारी का चयन ई-टेण्डर के माध्यम से किया जाता है तो टेण्डर/आफर आमंत्रित करने की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जायेगी।</p> <p>(4) सम्पूर्ण राज्य में किसी व्यक्ति को सभी श्रेणी की देशी मदिरा दुकानों, माडल शाप, कम्पोजिट दुकानों एवं भांग की दुकानों सहित दो से अधिक दुकानें आवंटित नहीं की जायेगी;</p> <p>परन्तु यह कि नवीकरण/नामांतरण के मामलों में पूर्वोक्त निर्बन्धन विधिक वारिस/परिवार के सदस्य/निकट संबंधी के पक्ष में लागू नहीं होगा;</p> <p>परन्तु यह और कि यदि किसी आवेदक के पक्ष में राज्य में दो या दो से अधिक दुकानों का नवीकरण किया गया हो अथवा पहले से ही व्यवस्थापित हो, वह ई-लाटरी/ई-टेण्डर के माध्यम से दुकानों के अग्रतर आवंटन हेतु पात्र नहीं होगा/होगी।</p> <p>(5) ई-लाटरी अथवा ई-नवीकरण अथवा ई-टेण्डर के माध्यम से लाइसेंसधारी के रूप में चयनित व्यक्ति के लिये लाइसेंस फीस और प्रतिभूति राज्य सरकार द्वारा समय सारिणी एवं रीति के अनुसार जमा करना तथा समस्त अन्य विनिर्दिष्ट औपचारिकताएँ पूरी करना तथा विहित समयावधि के भीतर उपयुक्त दुकान परिसर की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। यदि लाइसेंसधारी के रूप में चयनित व्यक्ति उपर्युक्त का अनुपालन नहीं करता है तो लाइसेंस प्राधिकारी, आवंटन/लाइसेंस को निरस्त कर देगा और दुकान के पुनर्व्यवस्थापन हेतु राज्य सरकार द्वारा यथाविनिर्दिष्ट आवश्यक उपाय करेगा।</p> <p>(6) यदि किसी विशिष्ट दुकान के लिए यथा स्थिति ई-लाटरी, ई-नवीकरण अथवा ई-टेण्डर प्रक्रिया में कोई आवेदन प्राप्त नहीं हो या किसी दुकान के लिए कोई अभ्यर्थी उपयुक्त नहीं पाया जाये तो लाइसेंस प्राधिकारी दुकान के पुनर्व्यवस्थापन हेतु राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के माध्यम से तत्काल उपाय करेगा।</p>
----------------------------	---

व्यवस्थापित दुकानों का विवरण	<p>11. जिला आबकारी अधिकारी, दुकान/दुकानों के व्यवस्थापन के पश्चात् आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित अवधि में व्यवस्थित की गयी दुकान/दुकानों का विवरण आबकारी आयुक्त को भेजेगा और लाइसेंसधारियों के नाम और पते, दुकानों की जियो टैगिंग, प्रतिभूति धनराशि एवं लाइसेंस फीस के रूप में जमा की गयी राशि का विवरण आबकारी विभाग के विहित पोर्टल पर अपलोड करेगा।</p>
लाइसेंस फीस और प्रतिभूति धनराशि का भुगतान	<p>12- यदि किसी आवेदक को लाइसेंसधारी के रूप में नियम-10 के अनुसार चयनित किया जाता है, तो वह अपने चयन की सूचना की प्राप्ति के तीन कार्य दिवसों के भीतर लाइसेंस फीस की सम्पूर्ण धनराशि अनिवार्यतः जमा करेगा/करेगी। वह प्रतिभूति धनराशि भी राज्य सरकार द्वारा विहित समय सारिणी के अनुसार आबकारी आयुक्त द्वारा विहित रीति से जमा करेगा;</p> <p>परन्तु नवीकरण की स्थिति में पूर्व में नकद या राष्ट्रीय बचत पत्र (एन0एस0सी0) अथवा बैंक गारंटी अथवा सावधि जमा रसीद के माध्यम से जमा की गयी प्रतिभूति तब तक मान्य होगी, जब तक इसकी वापसी न कर दी जाय;</p> <p>परन्तु यह और कि यदि प्रतिभूति धनराशि विहित अवधि के भीतर जमा नहीं की जाती है, तो रु. 2000/- प्रति दिवस की दर से शास्ति अधिरोपित होगा। शास्ति सहित प्रतिभूति धनराशि जमा करने हेतु मात्र 15 दिवस की अवधि अनुमत्य होगी।</p> <p>परन्तु यह भी कि यदि आवेदक विहित समयावधि के भीतर लाइसेंस फीस या प्रतिभूति धनराशि जमा करने में विफल रहता है, तो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा उसका चयन निरस्त कर दिया जायेगा और समस्त जमा धनराशियों को समपहृत कर लिया जायेगा।</p>
मदिरा एवं बीयर का उठान	<p>13 (1) लाइसेंसधारी अपने न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व- विदेशी मदिरा का समायोजन सुनिश्चित करने हेतु लागत मूल्य का पूर्ण भुगतान, जिसके अन्तर्गत सभी कर, प्रतिफल शुल्क (अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क सहित) जो समय-समय पर उद्गृहीत किये जाये, अधिमानतः ई-पेमेन्ट प्लेटफार्म के माध्यम से, करने के पश्चात् जिला के विदेशी मदिरा-2 लाइसेंस प्राप्त किसी थोक लाइसेंसधारी से आपूर्ति प्राप्त करेगा। यदि सम्बन्धित जिला में विदेशी मदिरा-2 का लाइसेंस स्वीकृत नहीं है या आपूर्ति बाधित है, तो लाइसेंसधारी, आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से अन्य जिला/जिलों के विदेशी मदिरा-2 लाइसेंस प्राप्त किसी थोक लाइसेंसधारी से आपूर्ति प्राप्त करेगा।</p> <p>किसी जिला में अपर्याप्त आपूर्ति की स्थिति में जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी आयुक्त से आदेश प्राप्त करेगा।</p> <p>(2) लाइसेंसधारी अपने न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व -बीयर का समायोजन सुनिश्चित करने हेतु लागत मूल्य का पूर्ण भुगतान, जिसके अन्तर्गत सभी कर, प्रतिफल शुल्क (अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क सहित) जो समय-समय पर उद्गृहीत किये जाये, अधिमानतः ई-पेमेन्ट प्लेटफार्म के माध्यम से, करने के पश्चात् जिला के विदेशी मदिरा-2बी लाइसेंस प्राप्त किसी थोक लाइसेंसधारी से आपूर्ति प्राप्त करेगा/करेगी। यदि सम्बन्धित जिला में विदेशी मदिरा-2बी का लाइसेंस स्वीकृत नहीं है या आपूर्ति बाधित है, तो लाइसेंसधारी, आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से अन्य जिला/जिलों के विदेशी मदिरा-2बी लाइसेंस प्राप्त किसी थोक लाइसेंसधारी से आपूर्ति प्राप्त करेगा/करेगी।</p> <p>किसी जिला में अपर्याप्त आपूर्ति की स्थिति में जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी आयुक्त से आदेश प्राप्त करेगा।</p> <p>(3) लाइसेंसधारी को दुकान हेतु निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व-विदेशी मदिरा तथा न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व-बीयर के राज्य सरकार द्वारा किये गये मासिक/ त्रैमासिक प्रभाजन के सापेक्ष राजस्व के समायोजन हेतु समतुल्य मासिक /त्रैमासिक आधार पर (जैसी स्थिति हो) प्रतिमास/त्रैमास हेतु निर्धारित प्रतिफल शुल्क के समतुल्य की विदेशी मदिरा एवं बीयर की उठान क्रमशः विदेशी मदिरा-2 लाइसेंस प्राप्त और विदेशी मदिरा-2बी लाइसेंस प्राप्त थोक अनुज्ञापन से लिया जाना बाध्यकारी होगा;</p>



(4)(क) यदि लाइसेंसधारी किसी माह/त्रैमास में दुकान हेतु निर्धारित मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के समतुल्य संबंधित थोक अनुज्ञापन से उठान करने में विफल रहता है, तो उसे सम्बन्धित माह/त्रैमास के बकाया राजस्व के समतुल्य अतिरिक्त प्रतिभूति 10 दिवस के भीतर जिला आबकारी अधिकारी के समक्ष सावधि जमा रसीद बंधक के रूप में जमा करने का निर्देश दिया जायेगा, जिसका पालन न करने पर लाइसेंस निरस्त कर दिया जायेगा और दुकान के पुनर्व्यवस्थापन की कार्यवाही की जायेगी और बकाया राजस्व की वसूली की प्रक्रिया नियमानुसार आरम्भ की जायेगी। दुकान पर अविक्रीत स्टॉक भी जब्त कर लिया जायेगा।

परन्तु संबंधित माह/त्रैमास के बकाया राजस्व के समतुल्य अतिरिक्त प्रतिभूति समयांतर्गत जमा करने की दशा में, मदिरा उठान में विलम्ब के शास्ति सहित प्रशमन के पश्चात् लाइसेंसधारी को गत माह/त्रैमास के बकाया राजस्व और चालू माह के न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के समतुल्य उठान अनुमन्य होगी। अगले माह/त्रैमास हेतु निर्धारित राजस्व के समतुल्य उठान एवं पिछले माह/त्रैमास तक के बकाया राजस्व के समतुल्य उठान लाइसेंसधारी द्वारा किया जा सकेगा।

(ख) अगले माह/त्रैमास के मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व सहित गत माह/त्रैमास में हुयी कमी के बराबर मदिरा का उठान किये जाने के पश्चात् अन्य कोई बकाया शेष न रहने की स्थिति में जिला आबकारी अधिकारी द्वारा इस प्रकार जमा की गयी अतिरिक्त प्रतिभूति की सावधि जमा रसीद वापस कर दी जायेगी;

(ग) यदि लाइसेंसधारी वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व एक या एक से अधिक माह के लिए मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के बराबर मदिरा का उठान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गयी अतिरिक्त प्रतिभूति एवं प्रतिभूति को राजस्व की ऐसी कमी के सापेक्ष समायोजित किया जायेगा और शेष प्रतिभूति वापस कर दी जायेगी।

यदि जमा की गयी अतिरिक्त प्रतिभूति और प्रतिभूति, राजस्व में कमी के सापेक्ष समायोजन के लिए अपर्याप्त हो तो शेष राजस्व की वसूली उसी प्रकार से की जायेगी मानों यह भू- राजस्व का बकाया हो;

(5)(क) कम्पोजिट दुकान के मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व, के यथा निर्धारित अंश को, जिसके समतुल्य लाइसेंसधारी संबंधित थोक अनुज्ञापन से उठान करने में सक्षम न हो, अन्य निर्धारित दुकान/दुकानों को यथा विनिर्दिष्ट रीति से अन्तरित करने की अनुज्ञा प्रदान की जा सकती है।

(ख) अंतरणकर्ता लाइसेंसधारी, अंतरिती (अंतरण प्राप्तकर्ता) लाइसेंसधारी की सहमति से जिला के जिला आबकारी अधिकारी से अनुरोध करेगा। अंतरण की निबन्धनों का विनिश्चय, दोनों अंतरणकर्ता और अंतरिती लाइसेंसधारियों द्वारा पारस्परिक रूप से किया जायेगा।

(ग) अंतरणकर्ता लाइसेंसधारी के अनुरोध का अनुमोदन किये जाने पर उसके द्वारा अंतरित किये जाने हेतु करारकृत राजस्व को उसके मासिक/ त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व में से घटा दिया जायेगा और उसके समतुल्य निकासी पूर्ण हुई और अंतरिती (अंतरण प्राप्तकर्ता) लाइसेंसधारी के लेखा में अंतरित मासिक/ त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के रूप में जोड़ दी गयी समझी जायेगी। यह मात्रा अंतरिती (अंतरण प्राप्तकर्ता) लाइसेंसधारी के अपनी दुकान के मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के अतिरिक्त होगी और उसका अपनी दुकान के मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के समतुल्य निकासी लिये जाने का दायित्व प्रभावित नहीं होगा।

परन्तु इस उपबन्ध के अधीन अंतरित कुल कोटा, अंतरणकर्ता लाइसेंसधारी के मासिक/त्रैमासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व की राज्य सरकार द्वारा संबंधित वर्ष हेतु यथा विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगा।

अधिकतम फुटकर मूल्य	<p>14. (1) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं एल.ए.बी. की बोतलों के लेबलों पर राज्य सरकार की अनुमति से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा अवधारित अधिकतम फुटकर बिक्री मूल्य उल्लिखित होगा। लाइसेंसधारी बोतलों के लेबलों पर उल्लिखित मूल्य से अधिक मूल्य उपभोक्ताओं से नहीं प्रभारित करेगा। अधिकतम फुटकर बिक्री मूल्य से अधिक मूल्य प्रभारित किये जाने की दशा में उसके विरुद्ध नियम-18 के अनुसार कार्यवाही की जा सकती है।</p> <p>(2) प्रत्येक दुकान पर डिजिटल पेमेन्ट की सुविधा होगी।</p> <p>(3) मदिरा की बिक्री पी.ओ.एस. मशीन के माध्यम से की जायेगी।</p>
बिक्री के घंटे और दुकानों की बन्दी	<p>15. लाइसेंस प्राप्त परिसर, 14 अप्रैल (आंडेडकर जयन्ती), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर (गॉंधी जयन्ती), 26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस) और तीन अन्य दिवस, जैसा लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अवधारित किया जाय के अतिरिक्त, सभी दिवसों पर प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक बिक्री के लिए खुले रहेंगे। लाइसेंस प्राधिकारी विधि-व्यवस्था या सामान्य निर्वाचन से सम्बन्धित क्रियाकलापों के लिए सुसंगत विधि के उपबन्धों के अधीन दुकान की बन्दी का आदेश दे सकता है। उपर्युक्त आधार पर दुकान की बन्दी के लिए कोई प्रतिकर संदेय नहीं होगा।</p> <p>परन्तु यह कि विशेष अवसरों पर कतिपय अवधि के लिए बिक्री के घंटों में, जैसा कि राज्य सरकार उचित समझे, परिवर्तन किया जा सकेगा।</p>
लाइसेंस की समाप्ति पर अतिशेष स्टॉक का निस्तारण	<p>16. लाइसेंसधारी लाइसेंस अवधि की समाप्ति पर अगले दिन मध्याह्न 12 बजे तक विदेशी मदिरा / वाइन/ बीयर/ एल.ए.बी. की अविक्रीत पायी गयी मात्रा की ब्राण्डवार, धारितावार, तीव्रतावार एवं पैकेजिंगवार घोषणा जिला आबकारी अधिकारी के समक्ष करेगा और लाइसेंस की समाप्ति के अगले दिन 5:00 बजे अपराह्न तक जिला के थोक विक्रेता को वापस कर देगा। अतिशेष स्टॉक का पृथक रजिस्टर अनुरक्षित किया जायेगा और अतिशेष स्टॉक को जिला आबकारी अधिकारी द्वारा पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। ऐसे स्टॉक का निस्तारण राज्य सरकार द्वारा यथा अवधारित रीति से किया जायेगा।</p>
लाइसेंस का अभ्यर्पण	<p>17. लाइसेंसधारी अधिनियम की धारा 36 के उपबन्धों के अधीन अपने लाइसेंस का अभ्यर्पण लाइसेंस प्राधिकारी को कम से कम एक माह की लिखित नोटिस देकर कर सकेगा। ऐसे आवेदन प्राप्त होने पर लाइसेंस प्राधिकारी, उसकी जमा प्रतिभूति से समस्त बकाया आबकारी देयों की वसूली करने की कार्यवाही करेगा और आबकारी आयुक्त का आदेश प्राप्त कर अतिशेष धनराशि प्रतिदाय करेगा। लाइसेंस प्राधिकारी आबकारी वर्ष की शेष अवधि के लिए दुकान के पुनर्ब्यवस्थापन की कार्यवाही भी आरम्भ करेगा।</p>
लाइसेंस का निलम्बन और निरस्तीकरण और प्रशमन	<p>18. (1) लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस को निलम्बित या निरस्त कर सकता है, यदि;</p> <p>(क) लाइसेंस प्राप्त परिसर में कोई बोतल/केन/ट्रेटा पैक पायी जाती है जिस पर शुल्क का संदाय न किया गया हो और जिस पर आबकारी विभाग द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित शुल्क के संदाय के प्रमाण के रूप में सुरक्षा कोड न लगाया गया हो।</p> <p>(ख) लाइसेंस प्राप्त परिसर में किसी अन्य प्रकार की मदिरा या मादक द्रव्य (जिसके लिये लाइसेंस स्वीकृत न किया गया हो) पाया जाता है।</p> <p>(ग) अधिनियम अथवा नियमावली के उपबन्धों के विपरीत लाइसेंसधारी के कब्जे में कोई मदिरा या मादक द्रव्य पाया जाता है।</p> <p>(घ) लाइसेंसधारी द्वारा आवेदन के समय प्रस्तुत शपथ पत्र त्रुटिपूर्ण पाया जाता है और उसमें दिया गया कथन असत्य पाया जाता है।</p> <p>(ङ) लाइसेंसधारी अधिनियम के अधीन किसी अपराध में या किसी संज्ञेय और गैर जमानती अपराध में या स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अधीन किसी अपराध में या भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 482 से 489 के अधीन अथवा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की समतुल्य धाराओं के अधीन अपराध में दोष सिद्ध किया गया है।</p>

(च) लाइसेंस प्राप्त परिसर में कोई ऐसी बोटल पायी जाती है जिस पर अधिकतम फुटकर मूल्य अंकित नहीं है।

(छ) यह पाया जाता है कि लाइसेंस फर्जी नाम से प्राप्त किया गया है या लाइसेंसधारी किसी अन्य व्यक्ति की ओर से लाइसेंसधारण किये हुए है।

(ज) लाइसेंस प्राप्त परिसर में कैरामल, रंग, सुगन्ध, श्रिंक स्लीव अथवा बार कोड, लेबल, कैप्सूल, मुहर अथवा अन्य अवैध सामग्री पायी जाती है।

(झ) लाइसेंस प्राप्त परिसर में मदिरा का अपमिश्रण /या किसी अन्य पदार्थ का मिश्रण/तनुकरण, उच्च श्रेणी की मदिरा के साथ निम्न श्रेणी की मदिरा का अपमिश्रण पाया जाता है, तो विधि के अन्य सुसंगत उपबंधों के अधीन भी कार्यवाही की जायेगी।

(2) पूर्वोक्त स्थिति में, लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस को तत्काल निलम्बित कर देगा, और लाइसेंस के निरस्तीकरण और जमा प्रतिभूति को समपहत करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी करेगा। लाइसेंसधारी को अपना स्पष्टीकरण नोटिस की प्राप्ति के 07 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का निदेश दिया जायेगा। तत्पश्चात् लाइसेंस प्राधिकारी, लाइसेंसधारी को सुनवाई का समुचित अवसर देने के पश्चात् उपयुक्त आदेश पारित करेगा।

(3) लाइसेंसधारी इस नियमावली के अधीन लाइसेंस के निलम्बन या निरस्तीकरण के लिए किसी प्रतिकर या प्रतिदाय के लिए दावा करने का हकदार नहीं होगा।

(4) यदि लाइसेंस निरस्त किया जाता है तो लाइसेंसधारी को काली सूची में भी डाला जा सकता है तथा उसे कोई अन्य आबकारी लाइसेंसधारण करने से विवर्जित किया जा सकता है।

(5) फुटकर लाइसेंसों से सम्बन्धित शमनीय अपराध के प्रकरणों में निम्नानुसार न्यूनतम प्रशमन फीस उदग्रहीत की जायेगी -

क्रमांक	उल्लंघन का प्रकार	प्रथम बार के लिए (रु० में)	द्वितीय बार के लिए (रु० में)	तृतीय बार के लिए (रु० में)
1	2	3	4	5
1	नियत समय से पूर्व अथवा पश्चात् दुकान का खुला पाया जाना।	2,500	3,000	5,000
2	अनाधिकृत विक्रेता द्वारा बिक्री करते हुये पाया जाना।	5,000	7,000	10,000
3	स्टाक रजिस्टर मॉगने पर न प्रस्तुत करना।	10,000	15,000	20,000
4	स्टाक रजिस्टर अपूर्ण पाया जाना।	10,000	15,000	20,000
5	बोटलों और क्वार्टरों या उनके लेबलों अथवा बार कोड पिल्फर प्रूफ कैप या सील से बिगाड़ कराना।	10,000	15,000	20,000
6	बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहक को फुसलाना, बिक्री में वृद्धि हेतु जुआ अथवा नृत्य का आयोजन करना।	5,000	7,000	10,000
7	ड्यूटी पेड स्टोक को अनधिकृत परिसर/गोदाम में संचित करना।	20,000	25,000	30,000

	8	लेखानुसार मात्रा से अधिक ड्यूटी पेड स्टॉक का पाया जाना।	25,000	30,000	50,000
	9	खुली मदिरा की बिक्री करते पाया जाना	5,000	10,000	15,000
	10	मद्य निषेध और बन्दी के दिनों में मदिरा की बिक्री करते हुए पाया जाना।	30,000	40,000	50,000
	11	बिना अनुमति परिसर में कोई परिवर्तन।	20,000	25,000	लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही
	12	विहित एम०आर०पी० से अधिक दर पर मदिरा की बिक्री करते हुए पाया जाना	75,000	1,50,000	लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही
	13	परिसर के बाहर स्थापित साइन बोर्ड में आवश्यक सूचना प्रदर्शित न करना अथवा त्रुटिपूर्ण सूचना प्रदर्शित करना	5,000	10,000	20,000
	14	दुकान में सफाई की समुचित व्यवस्था न पाया जाना।	2,000	5,000	10,000
	15	किसी एक विशेष दुकान हेतु निर्गत मदिरा का दूसरी दुकान पर पाया जाना	25,000	50,000	लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही
	16	मासिक/त्रैमासिक एम.जी.आर.-बीयर एवं एम.जी.आर.-विदेशी मदिरा के समतुल्य उठान में विलम्ब किया जाना।	50,000	50,000	लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही
	17	अन्य कोई अनियमितता	2,000	5,000	10,000
अन्तरिम व्यवस्थापन-	<p>19. (1) यदि लाइसेंस को इस नियमावली के उपबन्धों के अनुसार निलम्बित, निरस्त या अभ्यर्पित किया जाता है या यदि किसी कारण से दुकान का व्यवस्थापन उपनियम-</p> <p>(2) के अनुसार कराया जाना शेष हो तब लाइसेंस प्राधिकारी विदेशी मदिरा एवं बीयर की पृथक पृथक दैनिक लाइसेंस फीस तथा विदेशी मदिरा एवं बीयर का पृथक-पृथक दैनिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व को परिकलित करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा अवधारित रीति से दैनिक व्यवस्थापन आफर प्राप्त करेगा और उच्चतम आफर के आधार पर अधिकतम 14 दिनों के लिये या नियमित व्यवस्थापन के दिनांक तक, जो भी पहले हो, के लिये व्यवस्थापन करेगा। आफर प्राप्त करने की प्रक्रिया ई-टेण्डर हेतु टेण्डर प्राप्त करने की प्रक्रिया के समान होगी। यदि लगातार बार आफर मांगने 2 के पश्चात भी विहित देयताओं के समतुल्य आफर प्राप्त नहीं होता है तब तीसरे चरण में राजस्वहित में विहित देयताओं से कम के आफर स्वीकार किये जाने का अधिकार लाइसेंस प्राधिकारी को होगा। किसी भी स्थिति में विहित देयताओं के प्रतिशत से कम 80 पर आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। एक दुकान के लिये दो या दो से अधिक समान आफर प्राप्त होने पर सार्वजनिक मैन्युअल लाटरी के माध्यम से व्यवस्थापन कराया जायेगा। ऐसे लाइसेंसधारी को दैनिक लाइसेंस फीस की दर के अनुसार अन्तरिम व्यवस्थापन की अवधि के लिए प्रतिभूति धनराशि जमा करना भी अपेक्षित होगा। लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा किसी दुकान का ऐसा व्यवस्थापन दो से अधिक बार किया जा सकता है परन्तु ऐसी स्थिति में आबकारी आयुक्त को सूचित किया जाना अनिवार्य होगा।</p> <p>(2) इस नियमावली के उपबन्धों के अनुसार किसी लाइसेंस के निरस्तीकरण या अभ्यर्पण के मामले में दुकान का मध्य-सत्र में नियमित व्यवस्थापन लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा यथाशीघ्र सार्वजनिक विज्ञापन देकर ई-टेण्डर प्रणाली के माध्यम से कराया जायेगा। ई-टेण्डर प्रणाली के माध्यम से टेण्डर/आफर मांगने के लिए राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी। मध्य सत्र में व्यवस्थापित की जाने वाली दुकानों के लिए ई-टेण्डर प्रक्रिया में एकल टेण्डर भी स्वीकार किया जायेगा।</p>				

**प्रपत्र एफ.एल.-5 घ ख**

परिसर के बाहर उपभोग के लिए मुहरबन्द काँच और पेट बोतलों कैन/असेप्टिक ब्रिक पैक/ में विदेशी मदिरा /वाइन /बीयर / कम तीव्रता के मादक पेयकी फुटकर बिक्री के लिए लाइसेंस

लाइसेंसधारी का  
फोटो

दुकान का फोटो

दुकान का अक्षांश/ देशांतर.....

लाइसेंस संख्या.....वर्ष.....

दुकान का नाम (शाप आई.डी.....) .....जिला.....

कुल लाइसेंस फीस रूपया..... (अंकों में).....(शब्दों में)

प्रतिभूति धनराशि रूपया..... (अंकों में).....(शब्दों में)

विदेशी मदिरा से संबंधित वार्षिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व रुपया.....(अंकों में) .....(शब्दों में)

बीयर से संबंधित वार्षिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व रुपया..... (अंकों में) .....(शब्दों में)

परिसर का विवरण (चौहद्दी के साथ) .....

उत्तर:.....

दक्षिण: .....

पूरब : .....

पश्चिम:.....

लाइसेंसधारी का नाम और पता.....

श्री/श्रीमती/ सुश्री ..... पुत्र/पुत्री/पत्नी ..... निवासी .....

श्री/श्रीमती/सुश्री ..... उपर्युक्त जिसने विदेशी मदिरा/बियर/ वाइन/एल.ए.बी. को मुहरबंद काँच और पी.ई.टी. बोतलों/असेप्टिक ब्रिक पैक्स/कैनो में फुटकर बिक्री करने के लाइसेंस के लिए नियम-6 और नियम-12 के अनुसार लाइसेंस फीस और प्रतिभूति धनराशि दिनांक ..... से 31 मार्च 20..... तक, स्थान ..... पुलिस थाना ..... तहसील ..... जिला ..... पर जमा कर दी है, को एतद्वारा लाइसेंस जारी किया जाता है।

यह लाइसेंस निम्नलिखित निबन्धन एवं शर्तों के अधीन है, इसमें से किसी का व्यतिक्रम करने अथवा उत्तर प्रदेश आबकारी, कम्पोजिट दुकान (लाइसेंस व्यवस्थापन) नियमावली, 2025 के उपबंधों का उल्लंघन करने पर अथवा उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910 अथवा स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के अधीन किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस धारक का लाइसेंस निरस्त हो जायेगा और सुसंगत विधियों के अधीन अधिरोपित किन्हीं शास्तियों के अतिरिक्त प्रतिभूति समपहृत कर ली जायेगी।

### निबन्धन एवं शर्तें

- 1- नियम-13 के उपबन्धों के अनुसार लाइसेंसधारी मूल्य एवं प्रतिफल शुल्क अधिमानतः ई-पेमेन्ट के द्वारा जमा करने के पश्चात् जिले के विदेशी मदिरा थोक लाइसेंसधारक (एफ.एल.-2/2 बी) से विदेशी मदिरा/ वियर/ वाइन/कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति प्राप्त करेगा। यदि सम्बन्धित जिला में एफ.एल.-2/ एफ.एल.-2बी लाइसेंस स्वीकृत नहीं है, तो लाइसेंसधारी आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से अन्य जिला/ जिलों के थोक लाइसेंसधारी (एफ.एल.-2/ एफ.एल.-2बी) से विदेशी मदिरा वाइन सहित की आपूर्ति प्राप्त करेगा।  
अपर्याप्त आपूर्ति की स्थिति में लाइसेंसधारी जिला आबकारी अधिकारी को सूचित करेगा, जो आबकारी आयुक्त से आदेश प्राप्त करेगा।
- 2- लाइसेंसधारी के लिए सम्बन्धित मासिक/त्रैमासिक में दुकान के लिए निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के समतुल्य विदेशी मदिरा/बीयर/ वाइन /एल.ए.बी. उठाना अनिवार्य होगा।
- 3- लाइसेंस अवधि के दौरान दुकान पर उठाये गये समस्त स्टॉक की बिक्री करने का पूर्ण दायित्व लाइसेंसधारी का होगा।
- 4- विदेशी मदिरा/ बियर/ वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय की बोतलों/कैनो/पात्रों के लेबल के दाहिनी ओर शीर्ष पर 1x1 सेंटीमीटर स्पष्ट दृश्यमान बोल्ड फॉन्ट में तीव्रता एवं अधिकतम फुटकर मूल्य मुद्रित किया जायेगा। फुटकर लाइसेंसधारी मुद्रित अधिकतम फुटकर मूल्य से अधिक नहीं वसूल करेगा।
- 5- लाइसेंस प्राप्त परिसर में बिक्री, परिसर के बाहर उपभोग के लिए की जायेगी। परिसर में मदिरापान /उपभोग नहीं किया जायेगा।
- 6- प्रतिफल फीस के भुगतान के प्रमाण के रूप में आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित सुरक्षा कोड लगे हुए विहित तीव्रता और मानक क्षमता की मुहरबन्द बोतलों/कैन्स/असेप्टिक ब्रिक पैकों में बिक्री की जायेगी।
- 7- लाइसेंसधारी, लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा यथा विहित प्रपत्र और रजिस्टर में नियमित और सही दैनिक लेखा रखेगा, और उसे उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के विहित पोर्टल पर भी एस.एम.एस. भेजेगा/अपलोड करेगा और जब कभी सक्षम निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जब भी अपेक्षित हो उक्त लेखा रजिस्टर को प्रस्तुत करेगा/करेगी। लाइसेंसधारी बिक्री इत्यादि का लेखा भी प्रस्तुत करेगा/करेगी और यथा अपेक्षित सामग्री और दस्तावेजों की सुविधा देगा और उन्हें उपलब्ध करायेगा।
- 8- विदेशी मदिरा/बीयर/वाइन/एल.ए.बी. की बिक्री को छोड़कर जिसके लिए कि लाइसेंस दिया गया है, लाइसेंसधारी को लाइसेंस प्राप्त परिसर में कोई अन्य व्यवसाय चलाने की अनुमति नहीं होगी।
- 9- लाइसेंसधारी विदेशी मदिरा/वाइन/बीयर/कम तीव्रता के मादक पेय के सम्पूर्ण स्टॉक का भण्डारण केवल लाइसेंस प्राप्त परिसर में ही करेगा/करेगी। वह ट्रेक एण्ड ट्रेस प्रणाली के अन्तर्गत विहित सुरक्षा कोड के अनुसार बोतलों की स्कैनिंग के लिये दुकान पर यथाविनिर्दिष्ट पी0ओ0एस0 (प्वाइंट ऑफ सेल) यंत्र रखेगा और इसी यंत्र के माध्यम से फुटकर बिक्री करेगा।
- 10- लाइसेंसधारी दुकान के प्रवेश द्वार पर आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित किये गये प्रपत्र साइज में एक सहज दृश्य साइनबोर्ड लगाएगा, जिसके ऊपर लाइसेंसधारी का नाम, पदनाम, दुकान की अवस्थिति, लाइसेंस की अवधि, दुकान खुलने व बंद होने का समय और लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा यथा विहित अन्य सूचनाएँ मोटे अक्षरों में अंकित की जायेंगी। साइन बोर्ड में निम्नलिखित सूचना को भी प्रदर्शित करना होगा:-  
" >दुकान के बाहर आस-पास या सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना वर्जित है। इस संबंध में कोई भी उल्लंघन दण्डनीय होगा।  
> शराब पीकर गाड़ी चलाना जानलेवा हो सकता है। कृपया शराब पीकर गाड़ी न चलायें।"
- 11- लाइसेंसधारी किसी ऐसे व्यक्ति को विक्रेता के रूप में सेवायोजित नहीं करेगा/करेगी, जो 21 वर्ष से कम आयु का हो या किसी संक्रामक रोग से ग्रस्त हो या आपराधिक पृष्ठभूमि का हो या महिला हो। लाइसेंसधारी को सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित शुल्क के संदाय पर विक्रेताओं हेतु जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जारी फोटोयुक्त नौकरनामा प्राप्त करना होगा और जब निरीक्षणकर्ता प्राधिकारियों द्वारा मांगा जाये तो, उसे प्रस्तुत करना होगा।

- 12- लाइसेंसधारी किसी भी व्यक्ति को राज्य सरकार द्वारा विहित सीमा से अधिक विदेशी मदिरा/बीयर/ वाइन/एल.ए.बी. नहीं बेंचेगा जब तक कि इस प्रकार की अनुज्ञा लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा क्रेता को न प्रदान की गयी हो।
- 13- किसी ऐसे व्यक्ति को बिक्री नहीं की जायेगी जो 21 वर्ष से कम आयु का हो या पदधारी, जो वर्दी में हो।
- 14- लाइसेंसधारी द्वारा किसी भी दशा में बोटलों और पात्रों या उनके लेबुलों, सुरक्षा कोड, पिल्फरप्रूफ कैप या मोहरों से बिगाड़ करना, विकृत करना सर्वथा निषिद्ध है।
- 15- लाइसेंसधारी अपने लाइसेंस प्राप्त परिसर में कोई भी दुग्ध, शर्करा, रंग, सुगंधि, सुरक्षा कोड निर्मित करने वाला यंत्र, लेबुलों, कैप्सूल, मुहर या कोई हानिकारक सामग्री नहीं रखेगा।
- 16- लाइसेंसधारी/विक्रेता के सिवाय परिसर, जिसमें दुकान स्थित है, का प्रयोग आवास के स्थान के रूप में नहीं किया जायेगा।
- 17- लाइसेंसधारी द्वारा अपनी बिक्री बढ़ाने के दृष्टिगत ग्राहक को प्रलोभन देने या आकर्षित करने जैसे द्यूत व नृत्य कार्यक्रम का आश्रय लेना कड़ाई से निषिद्ध है।
- 18- लाइसेंस प्राप्त परिसर, 14 अप्रैल (आंबेडकर जयन्ती), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर (गाँधी जयन्ती), 26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस) और तीन ऐसे अतिरिक्त दिन जैसा कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा बन्दी के लिए अधिसूचित किया जाय, को छोड़कर बिक्री के लिए सभी दिवसों पर प्रातः 10 से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। लाइसेंस प्राधिकारी सुसंगत विधियों के अधीन कानून व्यवस्था या सामान्य निर्वाचन से सम्बन्धित क्रियाकलापों आदि के कारण से भी दुकान की बन्दी का आदेश दे सकता है। उपर्युक्त आधार पर दुकान की बन्दी के लिए कोई प्रतिकर नहीं प्रदान किया जायेगा।  
परन्तु यह कि विशेष अवसरों पर कतिपय अवधि के लिए बिक्री के घंटों में, जैसा कि राज्य सरकार उचित समझे, परिवर्तन किया जा सकेगा।
- 19- लाइसेंसधारी लाइसेंस की समाप्ति पर अवशेष स्टॉक के निस्तारण के लिए जिला आबकारी अधिकारी को रिपोर्ट करेगा/करेगी, जिसे नियम-16 के अनुसार निस्तारित किया जायेगा।
- 20- लाइसेंसधारी आबकारी आयुक्त या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी सामान्य एवं विशेष अनुदेशों का पालन करेगा/करेगी।
- 21- कम्पोजिट दुकान के परिसर में कोई देशी शराब भंडारित नहीं की जायेगी।
- 22- लाइसेंसधारी द्वारा दो सी0सी0टी0वी0 कैमरा स्थापित किया जायेगा, जिसमें दुकान के अन्दर तथा दूसरे सी0सी0टी0वी0 कैमरा से दुकान के बाहर का दृश्य कैद किया जा सके।
- 23- लाइसेंसधारी द्वारा मदिरा की बिक्री पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से की जायेगी।
- 24- लाइसेंसधारी को मदिरा की दुकान पर डिजिटल भुगतान की सुविधा रखनी होगी।

दिनांक .....

जिला.....

लाइसेंसिंग प्राधिकारी

आबकारी आयुक्त,  
उत्तर प्रदेश।

**OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, UTTAR PRADESH, PRAYAGRAJ**

No. 393/10-License-222/Composite Shop/2025-26

*Prayagraj, Dated : May 16, 2025***NOTIFICATION**

In exercise of powers under sections 41 and 77 of the United Provinces Excise Act, 1910 (U.P. Act no. 4 of 1910), the Excise Commissioner, with the previous sanction of the State Government, hereby makes the following rules with a view to determine the consideration and manner in respect of grant of licence for joint exclusive privilege of retail sale of foreign liquor, beer, wine, low alcoholic breweries on the basis of licence fee fixed under sections 24-A, 30 and 31 of the aforesaid Act, namely:—

**The Uttar Pradesh Excise Composite Shops (Settlement of Licences) Rules, 2025**

<b>Short title and commencement</b>	<p>1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Excise Composite Shops (Settlement of Licences) Rules, 2025.</p> <p>(2) They shall come into force with effect from the 1st day of April, 2025.</p>
<b>Definitions</b>	<p>2. In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—</p> <p>(a) "Act" means the United Provinces Excise Act, 1910, as amended from time to time;</p> <p>(b) "Additional consideration fee" means the difference in the maximum retail price rounded off to the next multiple of ten rupees, payable at distillery level and recoverable by the distillery from the wholesale supplier in addition to the ex-distillery price and by the wholesale licensee from the retail licensee in addition to the maximum wholesale price;</p> <p>(c) "Beer" means ale, stout, porter, and all other fermented liquors made from malt having an alcoholic strength between 3 per cent v/v to 8 per cent v/v;</p> <p>(d) "Composite Shop" means a shop having a license in F.L. -5DB form as defined under the Uttar Pradesh Excise Composite Shops (Settlement of Licences) Rules, 2025;</p> <p>(e) "Consideration fee" means the fee on foreign liquor and wine as prescribed by the State Government under section 30 of the Act, which shall be deposited by the licensee in the Government treasury before supply of foreign liquor/beer/wine/LAB;</p> <p>(f) "Daily licence fee" means 1/365th of the licence fee prescribed for the entire excise year;</p> <p>(g) "Excise Commissioner" means the officer appointed by the State Government under section 10(2)(a) of the Act;</p> <p>(h) "Excise Year" means the financial year commencing from 1st April and ending on 31st March of the following calendar year;</p> <p>(i) "Family" means and includes couple (husband or wife), dependent son/children, unmarried daughter/daughters and dependent parents;</p>



(j) "Foreign liquor" means and includes spirit or wine imported into India or spirit or wine manufactured in India so refined or coloured that it resembles the liquor imported into India in smell and colour and includes malt spirit, whisky, rum, brandy, gin, vodka, wine, liqueurs and low strength alcoholic beverages;

(k) "Form" means the form appended to these rules;

(l) 'Government' means the Government of Uttar Pradesh;

(m) "Hierarchy" means the descending order of the total license fee of shops purported to be the basis for shop allotment through the process of computer based randomization in e-lottery for selection of licensees;

(n) "Licensing Authority" means the Collector of the District;

(o) "Licence fee" means the consideration for the grant of licence for the joint exclusive privilege of retail vending of foreign liquor, beer, wine and low-intensity alcoholic beverages under section 24-A of the Act, payable by the licensee before the grant of the licence to him at such rates as may be fixed by the Excise Commissioner with the prior permission of the State Government from time to time and includes licence fee for foreign liquor and licence fee for beer:

Provided that if such shop is settled/re-settled for the remaining period in the middle of the excise year, the liability of licence fee for the shop shall be determined on a proportionate basis for the remaining period of the excise year;

(p) "Low alcoholic beverages" means carbonated alcoholic beverages having an alcoholic strength of up to 10 per cent v/v prepared from Extra Neutral Alcohol (ENA) and purified by the addition of flavouring matter or colouring matter or both or any other substance to give it a characteristic taste;

(q) "Minimum Guaranteed Revenue" means the minimum revenue as fixed by the Licensing Authority for the excise year in accordance with the general or specific instructions issued by the Excise Commissioner, which shall be required to be deposited by the licensee in the treasury on monthly/quarterly basis, as may be prescribed, and adjustment of which shall be permissible against the revenue involved in the lifting made by the licensee from the wholesale licence for retail sale at his/her shop;

(r) "Minimum Guaranteed Revenue - Beer" means the minimum guaranteed revenue in respect of beer; adjustment of which shall be permissible against the revenue involved in all lifting made from Foreign Liquor-2B Licence;

(s) "Minimum Guaranteed Revenue - Foreign Liquor" means the minimum guaranteed revenue in respect of foreign liquor; adjustment of which shall be permissible against the revenue involved in all lifting made from Foreign Liquor-2 Licence;

(t) "Person" means a person who is a citizen of India and is not less than twenty-one years of age at the time of making the application;

(u) "Portal" means a specially designed electronic platform on which information relating to the process of manufacture of liquor and its distribution till the final stage shall be uploaded in the prescribed format;

	<p>(v) "Security amount" means an amount equal to ten percent of the total licence fee which shall be deposited in favour of the District Excise Officer in the form of e-bank guarantee or in the manner prescribed by the Excise Commissioner and which shall be refundable after final settlement of all claims and dues of the State Government;</p> <p>(w) "Settlement" means settlement or re-settlement of shops through renewal, e-lottery or e-tender or e-renewal as may be specified by the State Government, which may be done on any day of the week by giving prior notice and communication through newspaper and website of the Excise Department. Settlement of shops for the next year can be done before the end of the previous financial year;</p> <p>(x) "Solvency" means the financial eligibility criteria prescribed for an applicant to apply for grant of a licence;</p> <p>(y) "Wine" means the product obtained on alcoholic fermentation of juice or pulp of flowers, vegetables, non-narcotic(non-psychotropic) herbs, grape juice or pulp or juice of any other fruit, natural or fortified, the alcoholic content whereof does not exceed 24 percent by volume(24%v/v). Wine may contain added sugar, honey, and/or water. Wine also means and includes Cider, Sherry and Perry.</p> <p>(z) Words and expressions not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.</p>
<b>Settlement of licences for retail sale</b>	<p>3. (1) Subject to the provisions of these rules and payment of licence fee and security amount, the shop shall be settled by granting license of retail shop for retail sale of foreign liquor, beer, wine and LAB from the same premises in favour of the selected applicant as per rule 10.</p> <p>(2) The licence granted under these rules shall be in Form F.L.-5DB for retail sale of foreign liquor, beer, wine and LAB in sealed bottles for consumption outside the premises.</p> <p>(3) If a composite shop having licence in Form F.L.-5DB fulfills all the eligibility criteria of a model shop and the licence fee is equal to or more than the licence fee of the newly created model shop, then on the request of the licensee, the licence of composite shop may be converted into the licence of model shop, subject to terms and conditions as may be defined from time to time. The procedure for conversion of licence of an eligible composite shop to a model shop licence, shall be determined by the Excise Commissioner and the liabilities of such shops shall be determined in the manner specified by the State Government.</p>
<b>Power to determine number and location of retail shops</b>	<p>4. The number and location of composite shops shall be determined by the licencing authority under general or specific instructions issued by the State Government or the Excise Commissioner from time to time. For the purpose of ensuring the location of the shops, the shop shall be geo-tagged and geo-fenced. The location and position of the shops shall be as per the provisions of Uttar Pradesh Excise Number and Location of Shops Rules, 1968, as amended from time to time:</p> <p>Provided that new shops may be created by the State Government or the Excise Commissioner during any excise year on the demand of the licensing authority of the district.</p>

<b>Period of the licence</b>	5. The period of the licence shall be one excise year or part thereof for which the licence is granted, but the licensee for the next excise year shall be selected in accordance with rule 10.
<b>Grant of licence</b>	6. The licence will be granted on payment of licence fee as per the provisions of these rules preferably through e-payment platform and deposit of security amount in the form of e-bank guarantee pledged in favour of the District Excise Officer or through means prescribed by the Excise Commissioner. The licensee will be required to submit the original copy of solvency certificate or asset certificate issued by authorized income tax valuer or a copy certified by any other District Excise Officer in the office of the District Excise Officer of the district from where the licence has been granted to him.
<b>Application for grant of licence</b>	<p>7. (1) Whenever settlement of any newly created or unsettled composite shop/shops is necessary, the licencing authority shall give wide publicity of that shop/shops in the daily newspapers under circulation in that area and shall invite applications in the manner determined by the State Government.</p> <p>(2) List of composite shops, whose licences are to be sanctioned by the Collector, shall be displayed shop wise along with licence fee and security amount in the office of the Collector, Tehsil office, office of the District Excise Officer and office of the Deputy Excise Commissioner in charge. This information shall also be displayed on the website of the district.</p> <p>(3) Applications for grant of licence shall be submitted in the manner specified as per the time-table given in the advertisement in the newspapers.</p> <p>Non-refundable processing fee shall be paid online by the applicant in respect of each application at the rate as determined by the State Government.</p>
<b>Eligibility conditions for the applicants</b>	<p>8. The applicants for the licence of composite shops shall have to fulfil the following conditions to ensure their eligibility, namely:-</p> <p>(a) The applicant should be an individual who is a citizen of India.</p> <p>A firm or company having partnership shall not be eligible for grant of retail licence. Similarly, wholesale dealers or distilleries/liquor manufacturers shall also not be eligible for holding the licence of composite shop.</p> <p>No change in the status of the applicant shall be permissible after allotment of the shop. In the event of death of the licensee, the names of legal heirs/family members/close relatives as per the nomination affidavit (if any) given by the licensee, if not otherwise ineligible, shall be considered for continuing as the licensee for the remaining period of the licence, in accordance with the preference mentioned in the nomination affidavit:</p> <p>Provided that in the event of non-availability of nomination affidavit of the deceased licensee, his/her legal heir, if otherwise eligible, may continue as the licensee for the remaining period of the licence.</p> <p>(b) The applicant should be twenty-one years of age or above on the first day of the period prescribed for receipt of applications;</p>

- (c) The applicant should not be a defaulter and his/her name should not have been blacklisted, or should not have been debarred from holding an excise licence under the provisions of the Act or the rules/regulations made thereunder. Any person who has been convicted of any excise offence shall be debarred from holding a licence unless he/she is fully and finally acquitted by a competent Court;
- (d) An applicant shall be eligible to submit only one application for one shop. If more than one application is found for one shop, the additional applications will be rejected.
- (e) An applicant shall submit an affidavit duly verified by a public notary in proof of the following:-
- (i) that he/she has suitable premises for opening the shop at that place or he has arranged suitable premises on rent at that place in accordance with the provisions of Uttar Pradesh Excise Number and Location of Shops Rules, 1968, as amended from time to time;
- (ii) that no laws or rules have been violated in the construction of the proposed premises for his/her shop;
- (iii) that he/she and his/her family members are of good moral character and have no criminal background and have not been convicted of any offence punishable under the United Provinces Excise Act, 1910 or the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 or any other cognizable and non-bailable offence;
- (iv) that in case he/she is selected as licensee he/she will furnish a certificate issued by the District Collector or Superintendent of Police/Senior Superintendent of Police of the concerned district or an officer not below the rank of Assistant Commissioner of Police nominated by the Police Commissioner of the concerning police commissionerate of which he/she is the resident, showing that he/she as well as his/her family members possess good moral character and have no criminal background or criminal record, prior to issuance of licence;
- (v) that he/she shall not employ any person as a salesman or representative who has any criminal background or is suffering from any contagious disease or is below 21 years of age or is a woman. The licensee shall obtain a servant certificate bearing photograph of the authorized salesman/authorized representative from the District Excise Officer on payment of fees as determined by the State Government from time to time;
- (vi) that he/she is not in arrears of any public dues or Government dues;
- (vii) that he/she is solvent and has the necessary funds or has arranged for the necessary funds for running the business, details of which, if required, will be made available to the licensing authority;
- (viii) that the applicant is not involved in mafia activities, anti-social activities and organised criminal activities. If after obtaining the licence, it is proved that he/she is involved in mafia activities, anti-social activities and organised criminal activities, then the licence allotted to him/her shall be cancelled;

	<p>(ix) that the applicant is not an Advocate registered with the Bar Council. If after obtaining the licence, he/she is found to be an Advocate registered with the Bar Council, then the licence shall be cancelled;</p> <p>(x) an employee of the State Government or Central Government shall also be ineligible to apply for grant of licence;</p> <p>(f) The applicant must be holder of a Solvency Certificate or a Property Ownership Certificate issued by an authorised Income Tax Valuer and the value of his/her Solvency Certificate/Property Ownership Certificate issued by an authorised Income Tax Valuer shall not be less than the amount of total licence fee determined for grant of licence of the applied shop in the district:</p> <p>Provided that in case of renewal, solvency certificate or certificate of owned property issued by an authorized Income Tax Valuer produced during the settlement of previous year shall be acceptable if it is valid and is for the required amount.</p>												
<b>District Level Committee for selection of licensee of composite shops</b>	<p>9. There will be a District Level Committee for selection of licensee of composite shops. The members of the committee will be as follows, namely:-</p> <table><tr><td>(i)</td><td><b>The Collector of the District</b></td><td><b>Chairperson</b></td></tr><tr><td>(ii)</td><td><b>The Senior Superintendent of Police / Superintendent of Police of the concerning district or an officer not below the rank of Assistant Commissioner of Police nominated by the Police Commissioner of the concerning Police Commissionerate.</b></td><td><b>Member</b></td></tr><tr><td>(iii)</td><td><b>One Gazetted Officer of Excise Department nominated by the Excise Commissioner</b></td><td><b>Member</b></td></tr><tr><td>(iv)</td><td><b>The District Excise Officer of the District</b></td><td><b>Member/ Secretary</b></td></tr></table>	(i)	<b>The Collector of the District</b>	<b>Chairperson</b>	(ii)	<b>The Senior Superintendent of Police / Superintendent of Police of the concerning district or an officer not below the rank of Assistant Commissioner of Police nominated by the Police Commissioner of the concerning Police Commissionerate.</b>	<b>Member</b>	(iii)	<b>One Gazetted Officer of Excise Department nominated by the Excise Commissioner</b>	<b>Member</b>	(iv)	<b>The District Excise Officer of the District</b>	<b>Member/ Secretary</b>
(i)	<b>The Collector of the District</b>	<b>Chairperson</b>											
(ii)	<b>The Senior Superintendent of Police / Superintendent of Police of the concerning district or an officer not below the rank of Assistant Commissioner of Police nominated by the Police Commissioner of the concerning Police Commissionerate.</b>	<b>Member</b>											
(iii)	<b>One Gazetted Officer of Excise Department nominated by the Excise Commissioner</b>	<b>Member</b>											
(iv)	<b>The District Excise Officer of the District</b>	<b>Member/ Secretary</b>											
<b>Selection of Licensee</b>	<p>10. (1) (a) The licensee of a shop shall be selected from amongst the three processes of e-lottery, e-renewal and e-tender whichever is/are specified by the State Government for that particular year.</p> <p>(b) In case e-renewal is not specified by the State Government for a particular year, the shop wise selection of licensee shall be made through the process specified by the State Government through e-lottery or/and e-tender by inviting online applications. If e-renewal is specified by the State Government, but renewal is not requested by the licensee or licensee has been found ineligible for renewal, then in such case also the aforementioned e-lottery or/and e-tender will be adopted. District Excise Officer shall scrutinize the applications received online and prepare a list of all admissible and inadmissible applications, describing the reasons of admissibility and inadmissibility and shall put up this list before the District Level License Committee as mentioned in rule 9 for e-lottery and e-tender.</p> <p>(c) If the shop has been renewed and if the licensee dies after depositing the renewal fee and none of his/her legal heirs or nominees apply for operation of the said licence or if the legal heir/nominee are not found eligible for the purpose, the amount deposited for renewal except processing fee shall be refunded in favour of the legal heir.</p>												

	<p>(2) In case of e-lottery, the shopwise licensee shall be selected from amongst the eligible applicants through computer based randomization process in the sequence of country liquor shops, model shops, composite shops and bhang shops as per the hierarchy in each category as defined in rule 2(1)(m).</p> <p>(3) In case of selection of licensee is done through e-tender, the process of inviting tender/offer shall be specified by the State Government.</p> <p>(4) Not more than two shops including all categories of country liquor shops, model shops, composite shops and bhang shops shall be allotted to any person in the entire State:</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided that the aforesaid restriction shall not apply in matters of renewal/mutation in favour of legal heir/family member/close relative:</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided further that in case two or more shops are renewed or already settled in the State in favour of an applicant, he/she will not be eligible for further allotment of shops through e-lottery/e-tender.</p> <p>(5) It shall be mandatory for the person selected as licensee through e-lottery or e-renewal or e-tender to deposit licence fee and security in the time schedule and in the manner specified by the State Government and complete all other specified formalities and make arrangement for appropriate shop premises within the prescribed time period. In case the person selected as licensee does not comply with the above, the licensing authority shall cancel the allotment/licence and shall take necessary steps for resettlement of the shop as specified by the State Government.</p> <p>(6) In case there is no application for a particular shop in e-lottery, e-renewal or e-tender process, as the case may be, or no candidate is found suitable for the shop, the Licensing Authority shall take immediate steps for resettlement of the shop through the process specified by the State Government.</p>
<b>Details of settled shops</b>	<p>11. After the arrangement of the shop/shops, the District Excise Officer shall send the details of the shop/shops arranged within the period prescribed by the Excise Commissioner to the Excise Commissioner and shall upload the details of the names and addresses of the licensees, geo-tagging of the shops, security amount and the amount deposited as licence fee on the prescribed portal of the Excise Department.</p>
<b>Payment of licence fee and security</b>	<p>12. If an applicant is selected as a licensee as per rule 10, he/she shall compulsorily deposit the entire amount of licence fee within three working days of receipt of intimation of his/her selection. He/she shall also deposit the security amount in the manner prescribed by the Excise Commissioner as per the time schedule prescribed by the State Government:</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided that in case of renewal, security deposited prior in cash or through National Saving Certificate (N.S.C.) or Bank Guarantee or Term Deposit Receipt shall be acceptable until it is not refunded:</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided further that if the security amount is not deposited within the prescribed period, a penalty of Rs. 2000/- per day shall be imposed. Only 15 days shall be allowed for depositing the security amount along with penalty.</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided also that if the applicant fails to deposit the licence fee or security amount within the prescribed time period, his/her selection shall be cancelled by the licensing authority and all the deposited amounts shall be forfeited.</p>

<b>Lifting of beer and liquor</b>	<p>13.(1) The licensee shall obtain supply from a wholesale licensee having Foreign Liquor-2 licence of the district after making full payment of cost price, including all taxes, consideration fee (including additional consideration fee) as levied from time to time, preferably through e-payment platform, to ensure adjustment of his/her minimum guaranteed revenue-foreign liquor. If the licence of Foreign Liquor-2 is not approved in the concerned district or the supply is disrupted, the licensee shall obtain supply from a wholesale licensee having Foreign Liquor-2 licence of other district/districts with the prior permission of the Excise Commissioner.</p> <p>In case of insufficient supply in any district, the District Excise Officer shall obtain orders from the Excise Commissioner.</p> <p>(2) The licensee shall obtain supply from a wholesale licensee having Foreign Liquor-2B licence of the district after making full payment of cost price, including all taxes, consideration fee (including additional consideration fee) as levied from time to time, preferably through e-payment platform, to ensure adjustment of his/her minimum guaranteed revenue - beer. If the licence of Foreign Liquor-2B is not approved in the concerned district or the supply is disrupted, the licensee shall obtain supply from a wholesale licensee having Foreign Liquor-2B licence of other district/districts with prior permission of the Excise Commissioner.</p> <p>In case of insufficient supply in any district, the District Excise Officer shall obtain orders from the Excise Commissioner.</p> <p>(3) It shall be obligatory for the licensee to lift the foreign liquor and beer equivalent to the amount of consideration fee fixed for each month/quarter on equivalent monthly/quarterly basis (as the case may be) for adjustment of revenue in relation to the monthly/quarterly apportionment made by the State Government of Minimum Guaranteed Revenue-Foreign Liquor and Minimum Guaranteed Revenue-Beer prescribed for the shop from the Foreign Liquor-2 Licensed and Foreign Liquor-2B Licensed Wholesale Licence respectively.</p> <p>(4) (a) If the licensee fails to take lifting from the respective wholesale licence equivalent to the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue fixed for the shop in any month/quarter, he/she shall be directed to deposit additional security equivalent to the outstanding revenue of the respective month/quarter in the form of pledged fixed deposit receipt to the District Excise Officer within 10 days, failing which the licence shall be cancelled and action for re-settlement of the shop shall be taken and the process of recovery of outstanding revenue shall be initiated as per rules. The unsold stock at the shop shall also be seized:</p> <p>Provided that in case of depositing additional security equivalent to the outstanding revenue of the respective month/quarter within time, after compounding with the penalty for delay in lifting liquor, the licensee shall be allowed to lift equivalent to the outstanding revenue of the previous month/quarter and the minimum guaranteed revenue of the current month. The licensee may lift the revenue equivalent to the revenue fixed for the next month/quarter and the outstanding revenue till the previous month/quarter.</p> <p>(b) The fixed deposit receipt of the additional security so deposited shall be returned by the District Excise Officer in case there is no balance remaining after lifting of liquor equivalent to the shortfall in the previous month/quarter along with the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue of the next month/quarter.</p>
-----------------------------------	--

	<p>(c) If the licensee fails to lift liquor equivalent to the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue for one or more months before the end of the financial year, then the additional security and security deposited by him/her shall be adjusted against such shortfall in revenue and the remaining security shall be returned.</p> <p>If the additional security and security deposited is insufficient to adjust the shortfall in revenue, then the remaining revenue shall be recovered as if it were arrears of land revenue;</p> <p>(5) (a) Permission may be granted to transfer the portion of monthly/quarterly minimum guaranteed revenue of a composite shop, as may be prescribed, equivalent to which the licensee is not able to lift from the concerned wholesale licence, to other specified shop/shops in the manner as specified.</p> <p>(b) The transferor licensee shall make a request to the District Excise Officer of the District with the consent of the transferee (transfer receiver) licensee. The terms of transfer shall be decided by both the transferor and transferee licensees mutually.</p> <p>(c) On approval of the request of the transferor licensee, the revenue agreed to be transferred by him/her shall be deducted from his/her monthly/quarterly minimum guaranteed revenue and the equivalent lifting shall be deemed to have been completed and added to the account of the transferee (transfer receiver) licensee as transferred monthly/quarterly minimum guaranteed revenue. This quantity will be in addition to the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue of the transferee licensee for his/her shop and his/her liability to lift equivalent to the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue of his/her shop will not be affected but the total quota transferred under this provision shall not exceed the limit, as specified by the State Government for the concerned year, of the monthly/quarterly minimum guaranteed revenue of the transferor licensee.</p>
<b>Maximum Retail Price</b>	<p>14. (1) The maximum retail selling price as determined by the Excise Commissioner with the permission of the State Government shall be mentioned on the labels of bottles of foreign liquor, beer, wine and LAB. The licensee shall not charge consumers more than the price mentioned on the labels of the bottles. In case a price higher than the maximum retail selling price is charged, action can be taken against him as per Rule-18.</p> <p>(2) There shall be digital payment facility at every shop.</p> <p>(3) Sale of liquor shall be done through POS machine.</p>
<b>Sale hours and closure of Shops</b>	<p>15. The licensed premises shall be open for sale from 10 a.m. to 10 p.m. on all days except 14 April (Ambedkar Jayanti), 15 August (Independence Day), 02 October (Gandhi Jayanti), 26 January (Republic Day) and three other days as may be determined by the licensing authority. The licensing authority may order the closure of the shop under the provisions of the relevant law for activities relating to law and order or general election. No compensation shall be payable for closure of shop on the above ground:</p> <p>Provided that the hours of sale may be altered for a certain period on special occasions as the State Government may deem fit.</p>



<b>Disposal of balance stock at the expiry of the license</b>	16. The licensee shall declare the quantity of foreign liquor/wine/ beer/LAB found unsold on expiry of the licence period, brand-wise, capacity-wise, quantity-wise and packaging-wise, before the District Excise Officer by 12 noon of next day and shall return it to the wholesaler of the district by 5:00 PM on the next day of expiry of the licence. A separate register of balance stock shall be maintained and the balance stock shall be uploaded on the portal by the District Excise Officer. Such stock shall be disposed of in the manner as determined by the State Government.
<b>Surrender of licence</b>	17. The licensee may surrender his/her licence under the provisions of section 36 of the Act by giving a notice of at least one month in writing to the licensing authority. On receipt of such application, the licensing authority will take action to recover all the outstanding excise dues from his/her security deposit and refund the balance amount after obtaining the order of the Excise Commissioner. The licensing authority will also initiate proceedings for resettlement of the shop for the remaining period of the excise year.
<b>Suspension and cancellation of licence and compounding</b>	18. (1) The Licensing Authority may suspend or cancel the licence if,— (a) any bottle/can/tetra pack is found in the licensed premises on which duty has not been paid and on which security code is not affixed as proof of payment of duty duly approved by the Excise Department; (b) any other kind of liquor or intoxicating drug (for which licence has not been granted) is found in the licensed premises; (c) any liquor or intoxicating drug is found in the possession of the licensee contrary to the provisions of the Act or the rules; (d) the affidavit submitted by the licensee at the time of application is found to be defective and the statement made therein is found to be untrue; (e) the licensee has been convicted of any offence under the Act or of any cognizable and non-bailable offence or of any offence under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 or of offence under sections 482 to 489 of the Indian Penal Code, 1860 or under equivalent sections of the Bhartiya Nyaya Sanhita, 2023; (f) any bottle is found in the licensed premises on which the maximum retail price is not indicated; (g) it is found that the licence has been obtained in a fictitious name or that the licensee is holding the licence on behalf of some other person; (h) caramel, colour, fragrance, shrink sleeve or bar code, label, capsule, seal or other illegal material is found in the licensed premises; (i) adulteration of liquor and/or mixing/dilution of any other substance, adulteration of inferior liquor with superior liquor is found in the licensed premises, action shall also be taken under other relevant provisions of law. (2) In the aforesaid situation, the licensing authority shall suspend the licence immediately, and shall also issue a show cause notice for cancellation of licence and forfeiture of security deposit. The licensee shall be directed to submit his/her explanation within 07 days of the receipt of the notice. Thereafter, the licensing authority shall pass appropriate order after giving the licensee a reasonable opportunity of being heard.

(3) The licensee shall not be entitled to claim any compensation or refund for suspension or cancellation of licence under this rule.

(4) If the licence is cancelled, the licensee may also be blacklisted and debarred from holding any other excise licence.

(5) In cases of compoundable offences relating to retail licences, the minimum compounding fee shall be leviable as follows:-

Sr.	Type of violation	For first time ( in Rs.)	For second time (in Rs.)	For third time (in Rs.)
1	2	3	4	5
1	Shop found opened before or after the stipulated time	2,500	3,000	5,000
2	Unauthorized salesman found to be making sale	5,000	7,000	10,000
3	Stock register not produced when asked for	10,000	15,000	20,000
4	Stock register found incomplete	10,000	15,000	20,000
5	Tampering with bottles and quarters or their labels or bar code, pilfering proof cap or seals	10,000	15,000	20,000
6	Enticing customers to increase sales, organizing gambling or dancing to increase sales	5,000	7,000	10,000
7	Storing duty paid stock in unauthorized premises/ware house	20,000	25,000	30,000
8	Duty paid stock being found in excess of account	25,000	30,000	50,000
9	Found selling loose liquor	5,000	10,000	15,000
10	Found making sale of liquor during days of prohibition and closure	30,000	40,000	50,000
11	Any alteration in the premises without permission	20,000	25,000	Proceeding of cancellation of licence

	12	Found selling liquor above the prescribed MRP	75,000	1,50,000	Proceeding of cancellation of licence
	13	Non-displaying of essential information according to rule or displaying faulty information on the signboard installed outside the premises	5,000	10,000	20,000
	14	On finding no proper arrangement of cleanliness in the shop	2,000	5,000	10,000
	15	If liquor issued to any one particular shop is found in another shop	25000	50000	Proceeding of cancellation of license.
	16	Delay in lifting equivalent to monthly/quarterly MGR-Beer and MGR-Foreign Liquor	50000	50000	Proceeding of cancellation of license
	17	Any other irregularity	2000	5000	10000
<b>Interim Settlement</b>	<p>19. (1) If the licence is suspended, cancelled or surrendered in accordance with the provisions of these rules or if for any reason the shop is yet to be settled as per sub-rule (2), then the licensing authority may, after calculating the daily licence fees of foreign liquor and beer separately and the daily minimum guaranteed revenue of foreign liquor and beer separately, obtain daily settlement offers in the manner determined by the State Government and make the settlement on the basis of the highest offer for a maximum period of 14 days or till the date of regular settlement, whichever is earlier. The process of receiving offers will be similar to the process of receiving tenders for e-tender. If even after seeking offers twice in a row, an offer equal to the prescribed liabilities is not received, then in the third stage, the licensing authority will have the right to accept offers less than the prescribed liabilities in the interest of revenue. In no case, offers less than 80 percent of the prescribed liabilities will be accepted. In case of receipt of two or more equal offers for a shop, the arrangement will be done through public manual lottery. Such licensee will also be required to deposit security amount for the period of interim arrangement as per the rate of daily license fee. Such arrangement of a shop can be done more than twice by the licensing authority but in such a situation it will be mandatory to inform the Excise Commissioner.</p> <p>(2) In case of cancellation or surrender of a licence as per the provisions of these rules, regular settlement of the shop in mid-session will be done by the licensing authority through e-tender system by giving public advertisement as soon as possible. The procedure specified by the State Government for inviting tenders/offers through e-tender system will be completed. Single tender will also be accepted in the e-tender process for the shops to be settled in mid-session.</p>				

**Form FL-5DB**

**Licence for retail sale of foreign liquor/beer/wine/low strength alcoholic beverages in sealed glass and PET bottles/aseptic brick packs/cans for consumption off the premises**

<b>Photograph of licensee</b>	<b>Photo of the shop</b>
-------------------------------	--------------------------

Latitude/ Longitude of shop.....

Licence No.....Year.....

Name of shop (Shop I.D.....) .....District.....

Total Licence Fee Rs..... (in figures).....(in words)

Security Amount Rs..... (in figures).....(in words)

Annual Minimum Guaranteed Revenue in respect of Foreign Liquor Rs.....(in figures)  
.....(in words)

Annual Minimum Guaranteed Revenue in respect of Beer Rs..... (in figures)  
.....(in words)

Details of Premises (with boundaries)

North:.....

South: .....

East:.....

West:.....

Name and address of the Licensee.....

Shri/Smt./Miss. ....Son/Daughter/Wife of ..... Resident  
.....

Shri/Smt./Miss..... above who has deposited licence fee and security amount as per Rule 6 and Rule 12 for the licence of retail sale of foreign liquor/beer/wine/LAB in sealed glass and PET bottles/aseptic brick packs/cans from date ..... to 31 March 20..... at ..... place, police station ..... Tehsil ..... District....., the licence is hereby issued.

This licence is subject to the following terms and conditions, in default of any of these or in violation of the provisions of the Uttar Pradesh Excise, Composite Shops (Settlement of Licences) Rules, 2025 or on conviction for any offence under the Uttar Pradesh Excise Act, 1910 or the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act 1985, the licence of the licence holder shall be cancelled and the security shall be forfeited in addition to any penalties imposed under the relevant laws.

### **Terms and Conditions**

- 1- The licensee shall obtain the supply of foreign liquor/ beer/ wine/ low strength alcoholic beverage from the Foreign Liquor Wholesale Licensee (F.L.-2/2B) of the district after depositing the price and consideration fee preferably through e-payment as per the provisions of Rule-13. If the F.L.-2/ F.L.2B licence is not sanctioned in the concerned district, the licensee shall obtain supplies of foreign liquor including wine from wholesale licensee (F.L.2/ F.L.2B) of other district/districts with prior permission of Excise Commissioner.

In case of insufficient supply, the licensee shall inform to the District Excise Officer, who shall obtain orders from Excise Commissioner.

- 2- It shall be compulsory for the licensee to lift the foreign liquor/beer/wine/LAB equivalent to the minimum guaranteed revenue fixed for the shop in the respective month/quarter.
- 3- The licensee shall be fully responsible for selling all the stock lifted at the shop during the license period.
- 4- The strength and maximum retail price shall be printed in 1x1 cm clear visible bold font on the top right side of the labels of bottles/cans/containers of foreign liquor/beer/wine /low strength alcoholic beverages. The retail licensee shall not charge more than the printed maximum retail price.
- 5- The sale in the licenced premises shall be for consumption outside the premises. No liquor shall be consumed/drank "on" the premises.
- 6- The sale shall be made in sealed bottles/cans/aseptic brick packs of prescribed strength and standard capacity bearing a security code approved by the Excise Department as proof of payment of consideration fee.
- 7- The licensee shall maintain regular and correct daily accounts in the form and register as prescribed by the licensing authority and shall also send/upload SMS on the prescribed portal of Uttar Pradesh Excise Department and produce the said accounts register whenever required by the competent inspection authority. The licensee shall also submit accounts of sales etc. and shall facilitate and make available material and documents as required.
- 8- The licensee shall not be permitted to run any other business in the licensed premises except the sale of foreign liquor/beer/wine/LAB for which the license has been granted.
- 9- The licensee shall store the entire stock of foreign liquor/wine/beer/low strength alcoholic beverages only in the licensed premises. He/she shall have a POS (Point of Sale) device as specified at the shop for scanning the bottles as per the prescribed security code under the track and trace system and shall make retail sales through this device.
- 10- The licensee shall put up a clearly visible signboard at the entrance of the shop in the format and size approved by the Excise Commissioner, on which the name of the licensee, designation, location of the shop, period of license, opening and closing time of the shop and other information as prescribed by the licensing authority shall be written in bold letters. The following information shall also be displayed on the signboard:-

"> Drinking alcohol outside the shop, in the vicinity or in a public place is prohibited. Any violation in this regard shall be punishable.

> Driving under the influence of alcohol may be fatal. Please do not drive under the influence of alcohol."

- 11- The licensee shall not employ any person as vendor who is below 21 years of age or suffering from any contagious disease or having criminal background or is a woman. The licensee shall obtain servant certificate bearing photograph issued by the District Excise Officer for salesman on payment of such fee as may be prescribed by the Government from time to time and produce the same when demanded by the inspecting authorities.
- 12- The licensee shall not sell foreign liquor/beer/wine/LAB to any person in excess of the limit prescribed by the State Government unless such permission has been granted to the purchaser by the licensing authority.
- 13- No sale shall be made to any person who is below 21 years of age or to an official in uniform.
- 14- It is strictly prohibited for the licensee to tamper with or deface the bottles and containers or their labels, security codes, pilfer proof caps or seals under any circumstances.
- 15- The licensee shall not keep any milk, sugar, colour, perfume, security code making machine, labels, capsules, seals or any harmful material in his/her licensed premises.
- 16- The premises in which the shop is situated shall not be used as a place of residence except by the licensee/salesman.
- 17- It is strictly prohibited for the licensee to resort to gambling and dance programmes to entice or attract customers with a view to increase his/her sales.
- 18- The licensed premises shall remain open for sale from 10 am to 10 pm on all days except 14th April (Ambedkar Jayanti), 15th August (Independence Day), 2nd October (Gandhi Jayanti), 26th January (Republic Day) and three such additional days as may be notified by the licensing authority for closure. The licensing authority may also order closure of the shop on account of law and order or activities related to general election etc. under relevant laws. No compensation shall be paid for closure of shop on the above ground:  
  
Provided that the hours of sale may be altered for a certain period on special occasions as the State Government may deem fit.
- 19- The licensee shall report to the District Excise Officer for disposal of the remaining stock on expiry of the licence, which shall be disposed of in accordance with Rule-16.
- 20- The licensee shall follow the general and special instructions issued by the Excise Commissioner or the Licensing Authority from time to time.
- 21- No country liquor shall be stored in the premises of the composite shop.
- 22- The licensee shall install two CCTV cameras, in which the view inside the shop can be captured and the view outside the shop can be captured from the other CCTV camera.
- 23- The licensee shall sell liquor through POS machine.
- 24- The licensee shall keep the facility of digital payment at the liquor shop.

Date .....

District.....

Licensing Authority

By order,

*Excise Commissioner,*  
Uttar Pradesh.